रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव ने 13 फरवरी, 2009 को संसद में छठा रेल बजट पेश किया। रेलवे 90 हजार करोड़ रूपये का लाभांश पूर्व कैश सरप्लस अर्जित कर ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया। यह सब सम्भव हुआ है श्री लालू प्रसाद यादव जी द्वारा।

- साधारण पैसेंजर गाड़ियों के यात्री किरायों में दस किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए प्रति यात्री पचास रुपए की लागत तक के किराये में एक रुपए की कटौती।
- सभी मेल एक्सप्रेस और साधारण यात्री गाड़ियों के द्वितीय श्रेणी और शयनयान श्रेणी के किरायों में पचास रुपए और उससे अधिक की लागत वाली प्रति यात्री टिकटों में दो प्रतिशत की कटौती।
- वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी और वातानुकूलित कुर्सीयान के किरायों में भी दो प्रतिशत की कटौती।
- 2008–09 में माल ढुलाई का लक्ष्य 85 करोड़ टन बरकरार, 2009–10 में 91 करोड़ टन माल ढुलाई का लक्ष्य, यात्रियों की संख्या में दोनों ही वर्षों में 7–7 प्रतिशत वृद्धि की सम्भावना।
- 2008–09 में 19,320 करोड़ रुपए का लाभांश पूर्व कैश सरप्लस तथा छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने के बावजूद ऑपरेटिंग रेश्यो 88.3 प्रतिशत होगा। 2009–10 के लाभांश पूर्व कैश सरप्लस 18847 करोड़ रुपए व ऑपरेटिंग रेश्यों 89.9 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान।
- 2008–09 की वार्षिक योजना संशोधित निवेश 36,773 करोड़ रुपए, जबकि 2009–10 के लिए यह 37,905 करोड़ रुपए।
- त्रिपुरा की राजधानी अगरतला को रेल लाइन से जोड़ा गया, कश्मीर घाटी को रेलवे से जोड़ने के क्रम में अनंतनाग और राजवंशेर के बीच में पहली रेल सेवा शुरू, शीघ्र ही इस सेवा का बारामूला और काजीगुंड तक विस्तार।
- देहरी–ऑन–सोन के निकट पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर का कार्य 10 फरवरी, 2009 को प्रारम्भ हुआ। पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी कार्य फरवरी 2009 में प्रारम्भ होगा।
- 2009–10 में रेलवे की अनुमानित सकल यातायात प्राप्तियाँ 93,159 करोड़ रुपए, जो 2008–09 के संशोधित अनुमान से 10,766 करोड़ रुपए अधिक है।
- 2009–10 में 43 नई गाड़ी सेवाएं शुरू की जाएंगी। 14 गाड़ियों के चालन क्षेत्र में बढ़ोतरी तथा 14 गाड़ियों के फेरों में वृद्धि प्रस्तावित।
- 14 नई लाइनों, 3 आमान परिवर्तन और 8 दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए 25 सर्वेक्षण प्रस्तावित।
- छह रूट मार्गों पर हाई स्पीड बुलेट ट्रेन चलाने के लिए व्यावहारिकता–पूर्व अध्ययन किया जा रहा है। एक अन्य रूट मार्ग के लिए भी यह शुरू किया जाएगा।
- रेल पहिया फैक्ट्री, छपरा का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है। मढ़ौरा और मधेपुरा में डीजल और बिजली रेल इंजन कारखानों का कार्य भी शीघ्र शुरू करने का लक्ष्य।
- बिहार के छह रेल मार्गों पर सभी लोकल मेमू गाड़ियों (गया–पटना, झाझा पटना, बक्सर–पटना, मुगलसराय–पटना, आरा–पटना एवं मोकामा–दानापुर के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन) में अप्रैल 2009 के अंत तक डिब्बों की संख्या बढ़ाकर 16 करने की घोषणा की।